26 MAY 2022
26 MAY 2022

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 4096 A

Maitreyi College ★ Chanakya Puri, New Delhi-110021 ★ LIBRARY

Unique Paper Code : 62051404

Name of the Paper : Hindi 'A'

Name of the Course : **B.A. (Prog.)**

Semester : IV

Time : 3 hours | Maximum Marks : 75

munotes.in

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (10×2=20)

(क) ऐसे-ऐसे सवाल पूछते कि आजकल लाहौर का क्या हाल है? अनारकली में अब पहले जितनी रौनक होती है या नहीं? सुना है, शहालमीगेट का बाजार पूरा नया बना है? कृष्णनगर में तो कोई खास तब्दीली नहीं आई? वहाँ का रिश्वतपुरा क्या वाकई रिश्वत के पैसे से बना है?.....कहते हैं, पाकिस्तान में अब बुर्का

बिल्कुल उड़ गया है, यह ठीक है? इन सवालों में इतनी आत्मीयता झलकती थी कि लगता था, लाहौर एक शहर नहीं, हजारों लोगों का सगा-संबंधी है।

अथवा

कितने ही लोग जिन्हें कोई पूछता भी न था, हमारे ही बनाये बड़े आदमी बन गये और अब मोटरों पर निकलते हैं और हमें नीच समझते हैं। यह लोगों की तकदीर की खूबी है कि जिसकी जरा बढ़ती हुई और उसने हमसे आँखें फेरीं। हमारा बड़ा आदमी तो वही है, जो लँगोटी बाँधे नंगे पाँव घूमता है, जो हमारी दशा को सुधारने के लिए अपनी जान हथेली पर लिये फिरता है। और हमें किसी बड़े आदमी की परवाह नहीं है। सच पूछों तो इन बड़े आदमियों ने ही हमारी मिट्टी खराब कर रखी है। इन्हें सरकार ने कोई अच्छी-सी जगह दे दी, बस उसका दम भरने लगे।

(ख) किसी भाव के अच्छे या बुरे होने का निश्चय अधिकतर उसकी प्रवृत्ति के शुभ या अशुभ परिणाम के विचार से होता है। वही उत्साह जो कर्तव्य कर्मों के प्रति इतना सुंदर दिखाई पड़ता है, अकर्तव्य कर्मों की ओर होने पर वैसा श्लाघ्य नहीं प्रतीत होता। आत्म-रक्षा, पर-रक्षा, देश-रक्षा आदि के निमित्त साहस की जो उमंग दिखाई देती है उसके सौंदर्य को परपीड़न, डकैती आदि कर्मों का साहस कभी नहीं पहुँच सकता।

अथवा

एक टका दो, हम अभी अपनी जात बेचते हैं।

टके के वास्ते ब्राह्मण से धोबी हो जायँ

और धोबी को ब्राह्मण कर दें।

टके के वास्ते जैसी कहो वैसी व्यवस्था दें।

टके के वास्ते झूठ को सच करें।

टके के वास्ते ब्राह्मण से मुसलमान,

टके के वास्ते हिंदु से क्रिस्तान।

2. 'निबंध' का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

अथवा

नाटक के विकास का संक्षिप्त परिचय दीजिए। (12)

3. 'मलबे का मलिक' कहानी विभाजन की त्रासदी को प्रस्तुत करती है, स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'मैं हार गई' कहानी का प्रतिपादय स्पष्ट कीजिए। (12)

4. 'अशोक के फूल' निबंध का प्रतिपाद्य लिखिए।

अथवा

'उत्साह' निबंध का सार अपने शब्दों में लिखिए। (12)

5. 'भोलाराम का जीव' में लेखक क्या संदेश देना चाहता है, स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'चीड़ों पर चांदनी' का सार अपने शब्दों में लिखिए। (12)

6. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : (7)

(क) एकांकी का स्वरूप

(ख) जीवनी की विशेषताएं

munotes.in